अभ्यास पत्रक

पाठ: 3 - एक आशीर्वाद

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) कवि हर दीये की रोशनी देखकर ललचाने के बाद क्या करने का आशीर्वाद देते हैं?

(क) उसे बुझा देने का (ख) उससे दूर भागने का

(ग) उँगली जलाने का (घ) उसे घर लाने का

(ii) कविता में "उँगली जलाएँ" का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है?

(क) आग से खेलना (ख) शरारत करना

(ग) जोखिम उठाकर अनुभव से सीखना (घ) खुद को कष्ट देना

(iii) कवि के अनुसार, सपनों को क्या करना सीखना चाहिए?

(क) हमेशा सोते रहना (ख) भावनाओं में बहना

(ग) पृथ्वी पर चलना (घ) दूसरों से डरना

(iv) कवि दुष्यंत कुमार का सर्वाधिक चर्चित गज़ल संग्रह कौनसा है?

(क) एक आशीर्वाद (ख) दुष्यंत कुमार रचनावली

(ग) साये में धूप (घ) कृषक क्रंदन

(v) कविता का मुख्य स्वर क्या है?

(क) निराशा और दुख (ख) प्रेरणा और आगे बढ़ने की कामना

(ग) प्रकृति का वर्णन (घ) ईश्वर की भक्ति

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) सपनों को बड़ा होने का आशीर्वाद क्यों दिया गया है?

उत्तर- .....

(ii) 'पृथ्वी पर चलना' किसका प्रतीक है?

उत्तर- .....

(iii) 'दीये की रोशनी' किसका प्रतीक हो सकती है?

उत्तर- .....

(iv) कवि अंत में सपनों को क्या बनने का आशीर्वाद देते हैं?

उत्तर- .....

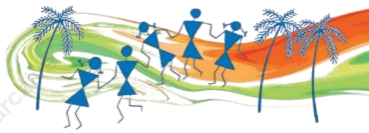

(v) यह कविता किसे संबोधित करके लिखी गई है?

उत्तर- ....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) "हँसें, मुसकराएँ, गाएँ" - इन क्रियाओं के माध्यम से कवि जीवन के प्रति कैसे दृष्टिकोण का आशीर्वाद दे रहे हैं?

उत्तर- ....

....

(ii) कवि 'उँगली जलाने' को एक आशीर्वाद के रूप में क्यों देखते हैं?

उत्तर- ....

....

(iii) कविता का शीर्षक 'एक आशीर्वाद' क्यों सार्थक है?

उत्तर- ....

....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) 'एक आशीर्वाद' कविता में एक सफल और सार्थक जीवन का जो सूत्र बताया गया है, उसे अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- ....

....

....

....

....

....

....

....

....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न: (i) (ग) उँगली जलाने का
(ii) (ग) जोखिम उठाकर अनुभव से सीखना
(iii) (ग) पृथ्वी पर चलना
(iv) (ग) साये में धूप
(v) (ख) प्रेरणा और आगे बढ़ने की कामना

2. एक वाक्य में उत्तर: (i) सपनों को बड़ा होने का आशीर्वाद इसलिए दिया गया है ताकि व्यक्ति जीवन में ऊँचे लक्ष्य रखे।
(ii) 'पृथ्वी पर चलना' यथार्थ या वास्तविकता का सामना करने का प्रतीक है।
(iii) 'दीये की रोशनी' ज्ञान, नए अवसर और आकर्षण का प्रतीक हो सकती है।
(iv) कवि अंत में सपनों को अपने पाँवों पर खड़े होने (आत्मनिर्भर बनने) का आशीर्वाद देते हैं।
(v) यह कविता बच्चों या युवा पीढ़ी को संबोधित करके लिखी गई है।

3. संक्षिप्त उत्तर:
(i) इन क्रियाओं के माध्यम से कवि जीवन के प्रति एक सकारात्मक, आनंदपूर्ण और उत्साही दृष्टिकोण रखने का आशीर्वाद दे रहे हैं। वे चाहते हैं कि जीवन की हर परिस्थिति में खुशी और जीवंतता बनी रहे।
(ii) कवि 'उँगली जलाने' को एक आशीर्वाद के रूप में इसलिए देखते हैं क्योंकि यह अनुभव से सीखने की प्रक्रिया का प्रतीक है। जब हम नए अवसरों की तरफ आकर्षित होते हैं, तो गलतियाँ होने या कष्ट सहने का जोखिम भी होता है। लेकिन इन्हीं गलतियों और अनुभवों से सीखकर व्यक्ति मजबूत और आत्मनिर्भर बनता है।
(iii) कविता का शीर्षक 'एक आशीर्वाद' सार्थक है क्योंकि पूरी कविता एक बड़े व्यक्ति (जैसे कवि या माता-पिता) द्वारा अपनी नई पीढ़ी को दी जा रही शुभकामनाओं और प्रेरणा का संग्रह है। इसमें बड़े सपने देखने से लेकर आत्मनिर्भर बनने तक की पूरी यात्रा के लिए मंगलकामना की गई है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) 'एक आशीर्वाद' कविता में एक सफल और सार्थक जीवन का सूत्र कई चरणों में बताया गया है:

1. **बड़े लक्ष्य रखना:** सबसे पहले, व्यक्ति को बड़े सपने देखने चाहिए ("तेरे स्वप्न बड़े हों")।
2. **यथार्थ को स्वीकारना:** केवल कल्पना में नहीं जीना चाहिए, बल्कि भावनाओं से ऊपर उठकर वास्तविकता का सामना करना सीखना चाहिए ("भावना की गोद से उतरकर जल्द पृथ्वी पर चलना सीखें")।
3. **महत्वाकांक्षी होना:** जीवन में ऊँचे और कठिन लक्ष्यों (चाँद-तारों) को पाने के लिए जिद और जुनून होना चाहिए।
4. **अनुभव से सीखना:** हर नए अवसर (दीये की रोशनी) की ओर आकर्षित होना चाहिए और यदि इस प्रक्रिया में कोई गलती हो या कष्ट सहना पड़े ("उँगली जलाएँ"), तो उससे घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उसे एक सीख के रूप में लेना चाहिए।
5. **आत्मनिर्भर बनना:** इन सभी अनुभवों से गुजरकर अंततः व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनना चाहिए ("अपने पाँवों पर खड़े हों")। इस प्रकार, बड़े सपने देखना, यथार्थ में जीना, जुनून रखना, गलतियों से सीखना और आत्मनिर्भर बनना ही एक सफल जीवन का सूत्र है।